मन्सा सेवा - 51

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **जैसे सतयुग में देवताओं की प्रकृति दासी रहती है अर्थात् सदा समय और सर्व गुण समय प्रमाण सदा सहयोगी रहते हैं अर्थात् सर्व शक्तियों के, गुणों के राज्य-अधिकारी रहते हैं।** साथ-साथ ऐसे सपूत बच्चों का सेवा का विशेष स्वरूप क्या रहता?

➳ _ ➳ जैसे सभी वाणी द्वारा वा मन्सा-सेवा द्वारा सेवा करते रहते हैं, ऐसे सेवा वे भी करते हैं लेकिन उन्हों की **विशेष सेवा यही है कि सदा अन्य आत्माओं को प्राप्त हुए बाप के गुणों और शक्तियों का दान नहीं लेकिन सहयोग वा प्राप्ति का अनुभव कराना।**

➳ _ ➳ **अज्ञानियों को दान देंगे और ब्राह्मण आत्माओं को सहयोग वा प्राप्ति करायेंगे। क्योंकि सबसे बड़े ते बड़ा दान गुण-दान वा शक्तियों का दान है।** **(09/01/1993)**

➢ दान की परिभाषा

➳ _ ➳ देने की जो क्रिया है, उसे दान कहेंगे

→ लेने की कोई भावना नहीं है, उसे भी दान कह सकते है

■ **अपने अधिकार की जो वस्तु है, उसका अधिकार दुसरो को दे देना, TRANSFER ऐसे कर देना की, अब हमारा अधिकार समाप्त हो जाय**

➳ _ ➳ दान के लिये 3 वस्तु की आवश्यकता होती है

→ **दाता, पात्र, वस्तु**

■ दाता के अधिकार में जो चीज वस्तु है

▶ वो पात्र तक चली जाय

▶ बिना बिच में नष्ट हुये

▶ तब उसे दान कहा जायेगा

➢➢ दान के प्रकार

➳ _ ➳ तीन प्रकार के दान है

→ **सात्विक दान**

■ उपयुक्त समय, श्रेष्ठ समय, श्रेष्ठ स्थान, पवित्र स्थान, योग्य पात्र स्थान, सुपात्र स्थान पर

▶ योग्य समय जो दान दिया जाता है उसको सात्विक दान कहते है

→ **राजसिक दान**

■ जिसमे स्वार्थ है

- दुसरो ने हम पर जो उपकार किया था
  - उसका हम RETURN दे रहे है
- ईर्ष्या, द्वेष की जिसमे भावना है
- किसी को अपमानित करने के लिये दान किया जाता है
- नाम, प्रिस्धिध, दिखावा, आडंबर की कामना से दान किया जाता है
  - यह सब राजसिक दान में आता है

→ **तामसिक दान**

- जिसमे हिंसा हो
- किसी को पीड़ा देकर दिया हुआ दान
- दुसरो का जिसमे शोषण हुआ है
- किसी को धोखा देके दिया हुआ दान
- किसी को फसा के दिया हुआ दान

➳_ ➳ ओर भी 3 प्रकार के दान होते है

→ किसी को कर्म के द्वारा किया गया दान

- किसी को जरूरत हो और मदद करना
- पैसे देना
  - यह है **कार्मिक दान**

→ कोई भयभीत होकर आ रहा है और

- हमने उसे अभय दे दिया
  - मतलब जीयदान दे दिया
  - यह है **वाचिक दान**

→ बहुत जप तप किया है

- वह तप किसी को ट्रान्सफर कर देना
- अपनी प्यूरिटी ट्रान्सफर कर देना
- अपना वैराग्य ट्रान्सफर कर देना
  - यह है **मानसिक दान**

➳_ ➳ कुछ ओर प्रकार के भी दान होते है

→ कन्यादान

→ गौ दान

→ भूमि दान

→ वस्त्र दान

→ अन्न दान

→ स्वर्ण दान

→ फल दान

→ नेत्र दान

➳_ ➳ **इन सभी मेसे 2 मुख्य प्रकार के दान है**

→ **ज्ञान दान**

→ **अभय दान**

➢➢ दान देने वाली 3 वस्तु कोनसी है ?

➳_ ➳ **WHITE MONEY**

→ अर्थात तप, जप, भक्ति से

■ इमानदारी से कमाया हुआ धन

▶ इसको WHITE MONEY कहते है

➳_ ➳ **MIX MONEY**

→ जिसमे BUSINESS आता है

■ जिसमे कोई भी थोडा बहुत तो करता ही रहता है

▶ उसमे से जो भी धन मिलता है वह मिश्रित धन में जाता है

➳_ ➳ **BLACK MONEY**

→ अर्थात किसी का शोषण करके कमाया हुआ धन

→ चोरी से इक्कठा किआ हुआ धन

→ धोके से कमाया हुआ धन

→ भ्रष्टाचार

■ यह सब आयेगा BLACK MONEY में

➢➢ ज्ञान के मुख्य बिंदु

➳_ ➳ बाबा गुणों और शक्तियों का दान करने को कहते है

→ **शक्तियों का दान सबसे सूक्ष्म है और सबसे बड़ा भी है**

■ बाबा दान शब्द का प्रयोग नही करते है

▶ **बाबा सहयोग शब्द का प्रयोग करते है**

➳_ ➳ गुणों का दान करना अर्थात **स्वयं गुण स्वरुप / गुणवान बनना** पड़ेगा

➳_ ➳ शक्तियों का दान करना अर्थात **स्वयं शक्ति स्वरुप / शक्तिशाली बनना** पड़ेगा

→ तभी हम गुण और शक्तियों का दान दे सकेंगे

➳_ ➳ कोई भयभीत है

→ उनको शक्तिशाली बनाके

■ अभय दान देना है

▶ यह बहुत उचा दान है

➢➢ **दान की 3 CATAGORY**

➳_ ➳ छोटो को दान

➳_ ➳ साथियों को दान

➳_ ➳ ग्रुप्स को दान

➢➢ दुसरो को शक्तिशाली कैसे बनाये ?

➳_ ➳ माँ बनना पड़ेगा

➳_ ➳ उनको समझना पड़ेगा की वो शक्तिशाली क्यों नही है

→ कौनसे भय है उनको

→ कौनसा डर है उन्हें

→ कौनसे कारण है

→ उनकी कमी कमजोरी को समझना पड़ेगा

■ की क्यों वह शक्तिशाली नहीं है

➳_ ➳ POSITIVE ATMOSPHERE उनके आसपास CREATE करना

➳_ ➳ POSITIVE LANGUAGE का प्रयोग करना

➳_ ➳ AVOID CRITICISM

➳_ ➳ उनको आगे बढ़ाना

→ उसके लिये उनकी तारीफ करना

→ स्तुति करना

→ उनको मार्गदर्शन देना

→ उनको प्रेरणा देना